(१९९९)

एम. फिल. (हिन्दी) पाठ्यक्रम १९९८ की परीक्षाओं के लिए

गुजरात युनिवर्सिटी

प्रश्नपत्र – 1 संशोधन पद्धति कुल अंक – 100

(Research Methodology)

1. शोध की परिभाषा एवं स्वरूप :

शोध की परिभाषा, साहित्यिक शोध की विशेषताएँ और प्रकृति अनुसंधान और आलोचना शोध और सत्यान्वेषण विषयगत और विषयीगत शोध, अनुसंधित्सु और निर्देशक की क्षमता, शोध का महत्व ।

2. शोध के प्रकार :

(क) व्याख्यात्मक शोध (ख) भाषातात्विक शोध

(ग) तुलनात्मक शोध–महत्व, प्रेरणा, प्रकार, कठिनाइयाँ ।

(घ) क्षेत्रीय शोध (ङ) ऐतिहासिक शोध का स्वरूप

(च) पाठानुसंधान की प्रक्रिया–पांडुलिपियों का संपादन पाठ समीक्षा

3. शोध–प्रक्रिया ÷

(क) विषय का चयन (ख) शोध योजना

(ग) शोध कार्य की पद्धति

(घ) सामग्री संकलन–सांदर्भिक सतर्कता, अध्यायक्रम की व्याख्या, तथ्य संचयन के साधन, साक्षात्कार, तालिका, प्रश्नावली, सर्वेक्षण आदि ।

(ङ) संचित सामग्री की प्रामाणिकता की परीक्षा

(च) सामग्री, वर्गीकरण (छ) शोध प्रबंध का लेखन

4. आंतर्विषयक शोध : (Interdisciplinary approach)

सहायक ग्रंथ :

1. अनुसंधान की प्रक्रिया : डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ. विजेन्द्रस्नातक नेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली
2. हिन्दी अनुसंधान : डॉ. विजयपाल सिंह, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली
3. शोध–प्रविधि : डॉ. विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
4. साहित्य संशोधन की पद्धति : डॉ. चम्पु व्यास, युनि. ग्रंथनिर्माण, अहमदाबाद
5. The Art of Literary Research - Richard

6. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धान्त और प्रक्रिया, एस.एन.गणेशन, लोकभारती प्रका., इलाहाबाद

7. हिन्दी शोध तंत्र की रूपरेखा – मनमोहन सहगल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

प्रश्नपत्र – 2 मध्यकालीन साहित्य — कुल अंक – 100

1. कबीर सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. रामचरित मानस – तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
3. बिहारी सतसई सं. जगन्नाथप्रसाद रत्नाकर

सहायक ग्रंथ :

1. कबीर साहित्य की परख, परशुराम चतुर्वेदी
2. कबीर, सं. विजेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्र., दिल्ली
3. गोस्वामी तुलसीदास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. तुलसी, सं. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
5. तुलसी दर्शन : बलदेव प्रसाद मिश्र
6. बिहारी का नया मूल्यांकन बच्चनसिंह

प्रश्नपत्र – 3 आधुनिक काल — कुल अंक – 100

1. तमस – भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. यामा – महादेवी वर्मा, भारती भंडार, इलाहाबाद
3. एक और द्रोणाचार्य – शंकर शेष
4. टूटी हुई बिखरी हुई – सं. अशोक वाजपेयी, राधाकृष्ण प्रकाशन

सहायक ग्रंथ :

1. अद्यतन हिन्दी उपन्यास – डॉ. बिन्दु भट्ट
2. महादेवी वर्मा – सं. परमानन्द श्रीवास्तव
3. महादेवी के काव्य में बिम्बविधान – डॉ. सुधा श्रीवास्तव
4. कवियों के कवि शमशेर – डॉ. रंजना अरगडे, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्नपत्र – 4 लघु शोध प्रबन्ध — कुल अंक – 100

विद्यार्थी को 150 टंकित पृष्ठों में लघु शोध प्रबन्ध तीन प्रतियों में प्रस्तुत करना होगा। शोध-प्रबंध रचना या रचनाकार के विषय में तथा सर्वेक्षण पर आधारित होगा अथवा गुजराती से हिन्दी में अनुवाद के रूप में होगा। शोध छात्र को मूल रचना के लेखक का परिचय तथा अनुवाद करते समय शोध छात्र को जिस प्रक्रिया से गुजरना हुआ इसका निर्देश करते 25-30 पृष्ठों का भी इसमें समावेश होगा।